

घुमनि था बेई गले बहियां देई

प्राणनि खां प्यारा युगल सरकार ॥

युगल जो रूपु सखी रस जो निधान आ

माखी अ खां मिठी जिन जी मधुर मुस्कान आ

रसिकनि जो धनु आ जीअ जो जीवनु आ ॥१॥

द्रिसी बांकी झांकी अखिड़ियूं ठरनि थियूं

प्रेम जूं आसूं हर हर झरनि थियूं

नींह जा निधान मिठा प्रेमी प्रधान मिठा ॥२॥

जै जै युगल जी थी पल पल पुकारियां

जीओ शाल जोड़ी आशीशूं उचारियां

गौर श्याम जोरी आ रस रंग बोरी आ ॥३॥

रमियो आ रगुनि में मिठो नाम सोई

सिक सां जपनि था शिव शेष जोई

सुधा खां सरसु आ हियें में हर्ष आ ॥४॥

बृज जे कुंजनि में श्रीकोकिल गाए
गद गद थी गोविंद माला पहराए
नित्य विहार आ लीलां अपार आ ॥५॥